दैनिक जागरण

24 गांवों में विकास की गंगा बहाएगी महायोजना

जागरण संवाददाता, उन्नाव : उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण की स्थापना के 33 साल बाद गुरुवार को मास्टर प्लान 2031 पेश किया। 1986 के बाद 2001, 2011 की समयावधि को नजरंदाज करते हुए शासन ने 2021 से 2031 तक की महायोजना 24 गांव के लिए तैयार की है। महायोजना-2031 की रूपरेखा और इसमें होने वाले कामों को लेकर डीएम की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को निराला प्रेक्षागृह में की गई। जिसमें यूएसडीए के उपाध्यक्ष ने महायोजना की विस्तृत जानकारी देकर विभागों से सुझाव मांगे हैं।

महायोजना पर काम शुरू होने के साथ ही बगैर कार्ययोजना के दो दशकों से हो रहे अवैध विकास कार्यों पर अब जल्द ही लगाम लगेगी। जीआइएस (ज्योग्रॉफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम) आधारित महायोजना-2031 में तेजी देखते हुए जल्द ही इसके पूरे होने के दावे किए जा रहे है। महायोजना की जिम्मेदारी शासन से चयनित निजी कंसलटेंट मेसर्स रुद्राभिषेक इंटरप्राइजेज लिमिटेड लखनऊ को दी गई है। बैठक में संबंधित कार्यदायी संस्था की सहायक महाप्रबंधक गार्गी असाटी की ओर से तैयार प्रारूप का प्रस्तुतीकरण किया गया।

प्रेजेंटेशन में बताया गया कि मौजूदा समय में प्राधिकरण के विकास क्षेत्र में कुल 24 गांव है। जिसमें 14 पूर्ण व 10 आंशिक गांव की श्रेणी में है। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त उद्योग, जिला विद्यालय निरीक्षक, क्षेत्र वन अधिकारी समेत विभिन्न डेवलपर विभागों के अफसरों ने भागीदारी की। जिनसे मौके पर सुझाव भी मांगे गए। बैठक में डीएम रवींद्र कुमार ने कहा कि महायोजना से संबंधित सुझाव व सूचनाएं विभाग तीन दिन के भीतर प्राधिकरण को दें। सदर विधायक पंकज गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, प्रभारी सचिव व एक्सईन आरडी वर्मा शामिल रहे।

निराला प्रेक्षागृह में उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण की महायोजना 2031 की जानकारी देते डीएम रवींद्र कुमार व साथ में मंच पर बैठे सदर विधायक पंकज गुप्ता व यूएसडीए उपाध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा ● जागरण

महायोजना-2031 से अवैध विकास पर लगेगा अंकुश लखनऊ की रुद्राभिषेक इंटरप्राइजेज ने दिया प्रेजेंटेशन

महायोजना में होंगे यह काम: प्रस्तुतीकरण में बताया कि महायोजना 2031 में इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट और टूरिज्म को बढ़ाने, तालाबों को संरक्षित करने, वॉटर ट्रीटमेंट प्लान, सालिड, मैनेजमेंट व सीवरेज व्यवस्था का भी प्राविधान है।

महायोजना में लक्षित राजस्व गांव

14 पूर्ण रूप से शामिल गांवों में शेखपुर, अकरमपुर, गलगलहा, मसवासी, पोनी, महदेवना, सलेमपुर, चौरा, फतेहपुर (फतेहउल्ला नगर), बनकट बरवटे, लोहार खेड़ा, सैयद अब्बासपुर, टीकर गढ़ी, मझरा पीपर खेड़ा एहतमाली और 10 आंशिक रूप से शामिल गांवों में झंझरी, गदनखेड़ा, सिंगरोसी, शेखपुर नरी, कडेर पतारी, कटरी पीपरखेड़ा (सीटी), उन्नाव ग्रामीण, बाजिदपुर, बंथर व मुर्तजानगर हैं।